

# SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME - B.Ed.

SESSION - 20-22

SUBJECT - C-08 U-4

TOPIC NAME - पाठ्यचर्या के निर्धारक या चरित्र  
Guru: Language & Pedagogy

DATE - 19-01-22

---

# Determinants of curriculum Making

B. Ed. 1st Year

Social - Political - Cultural - Geographical - Economical diversity

(पाठ्यक्रम निर्माण के घटक/निर्धारक)

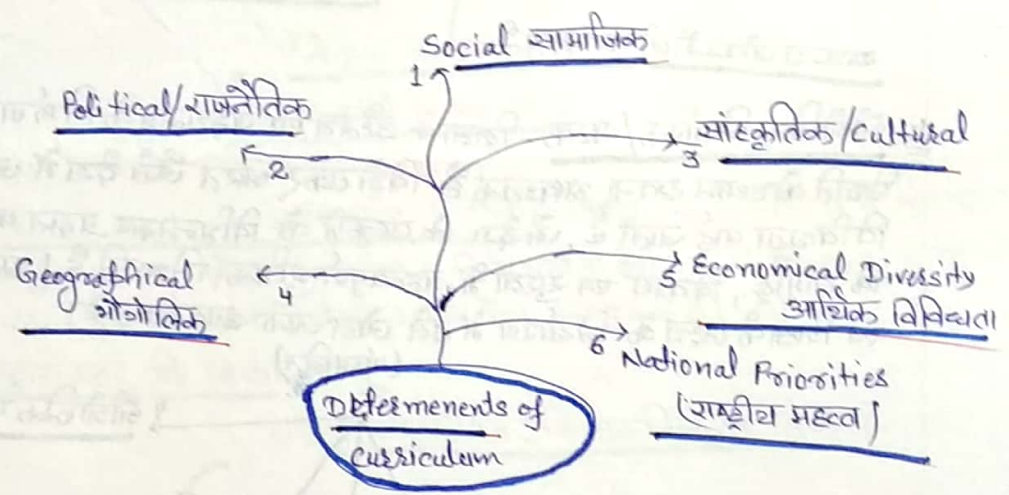
[सामाजिक घटक, राजनैतिक घटक, सांस्कृतिक घटक, भौगोलिक व आर्थिक घटक]

Introduction :- संपूर्ण शिक्षा प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाने के लिए और लक्ष्यों कि पूर्ण प्राप्ति के लिए पाठ्यक्रम CURRICULUM का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी देश कि शिक्षा के उद्देश्यों कि प्राप्ति इसी बात पर निर्भर करती है कि वहाँ का पाठ्यक्रम कैसा है।

पाठ्यक्रम ही वह धारा है/रूप रेखा है, जिसके द्वारा किसी भी देश के नागरिकों का निर्माण सामाजिक, अर्थिक, राजनैतिक व्यवस्था एवं उसका स्वरूप विकसित होता है, और वह राष्ट्र आकांक्षाओं को पूरी करता है, तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी पहचान करता है।

\* Meaning - यह बात विलुप्त स्मरण रूप से कही गई कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य वहाँ के शिक्षाओं के कक्षागार में निर्धारित होता है, इस निर्धारण के पिछे जिस महत्वपूर्ण धारक हाथ होता है, उसे पाठ्यक्रम कहा जाता है।

भारत जैसे विशाल देश में पाठ्यक्रम के निर्माण में घटकों के प्रमुख घटक महत्वपूर्ण निर्धारक कि भूमिका निभाते हैं। जो निम्नलिखित हैं।



1. सामाजिक घटक/निर्धारक :- शिक्षा के द्वारा राष्ट्रीय विकास कि योजना बिना सामाजिक विकास के सम्भव नहीं है। अतः पाठ्यक्रम के उद्देश्य के निर्माण में सामाजिक उद्देश्यों को जोड़ना अति आवश्यक है। जिसके लिए निम्न लिखित बातों को स्थान देना आवश्यक है।

- 1. सामाजिक संबंधों का विकास
- 2. परिवर्तन
- 3. सामाजिक शांति का विकास
- 4. सामाजिक आर्थिक दशा में सुधार
- 5. सामाजिक पुनर्गठन का विकास

2. राजनैतिक निर्धारक - शिक्षा के उद्देश्य में देश कि राजनीति के निर्धारक के रूप में पाठ्यक्रम के निर्माण में अपनी भूमिका निर्भाता है। राष्ट्र कि सन्तानें दल शिक्षा व्यवस्था में अपनी विचार धारा का विस्तार चाहती है, वहीं विपक्ष अपनी हितसेवारी भी देखती है और सरकार कि मंशा एवं नितियाँ अधिकतर निर्धारक का करती हैं।

Que- पाठ्यक्रम क्या है? पाठ्यक्रम के कितने घटक/निर्धारक होते हैं किन्हीं दो घटकों कि विवेचन करें।  
 Exp1  
 What is curriculum

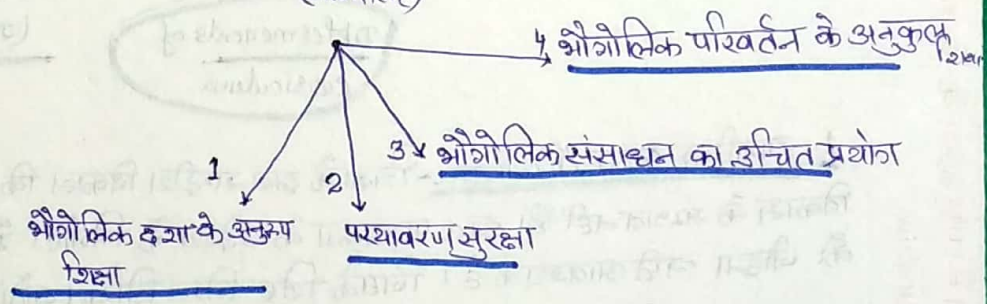


- 1 राजनैतिक विचारधारा
- 2 शिक्षा निति
- 3 राष्ट्रीय बजट में शिक्षा की हिस्सेदारी
- 4 सरकारी व गैर सरकारी शिक्षण संस्थान के नियम

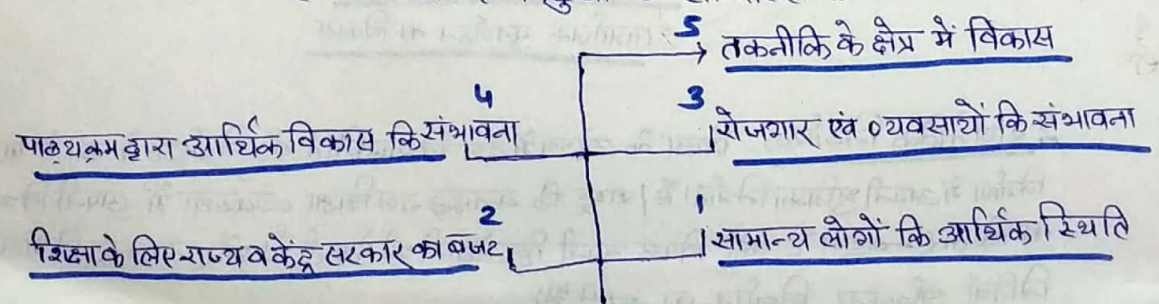
3. सांस्कृतिक निर्धारक :- देश की संस्कृति वहाँ के लोगों की जीवन शैली, रहन-सहन का स्तर, परम्परा रिवाजों को दर्शाती है, पाठ्यक्रम के निर्माण में संस्कृति भी महत्वपूर्ण निर्धारक की श्रुतिका निभाती है। शिक्षा द्वारा निम्नलिखित बिंदुओं को शिक्षा के उद्देश्यों में जोड़ा जाना आवश्यक है।



4. भौगोलिक निर्धारक/घटक - शिक्षा के उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम के निर्माण में देश की भौगोलिक स्थिति को ध्यान रखना आवश्यक है, विशेषकर भारत जैसे देश में जहाँ भौगोलिक विविधता पाई जाती है, जो देश की संस्कृति को विभिन्न रूप प्रदान करती है; साथ ही देश की समृद्धि, विकास एवं सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः पाठ्यक्रम निर्माण एवं शिक्षा के लक्ष्य के निर्धारण में इसे जोड़ा जाना आवश्यक है। (सम्मिलित)



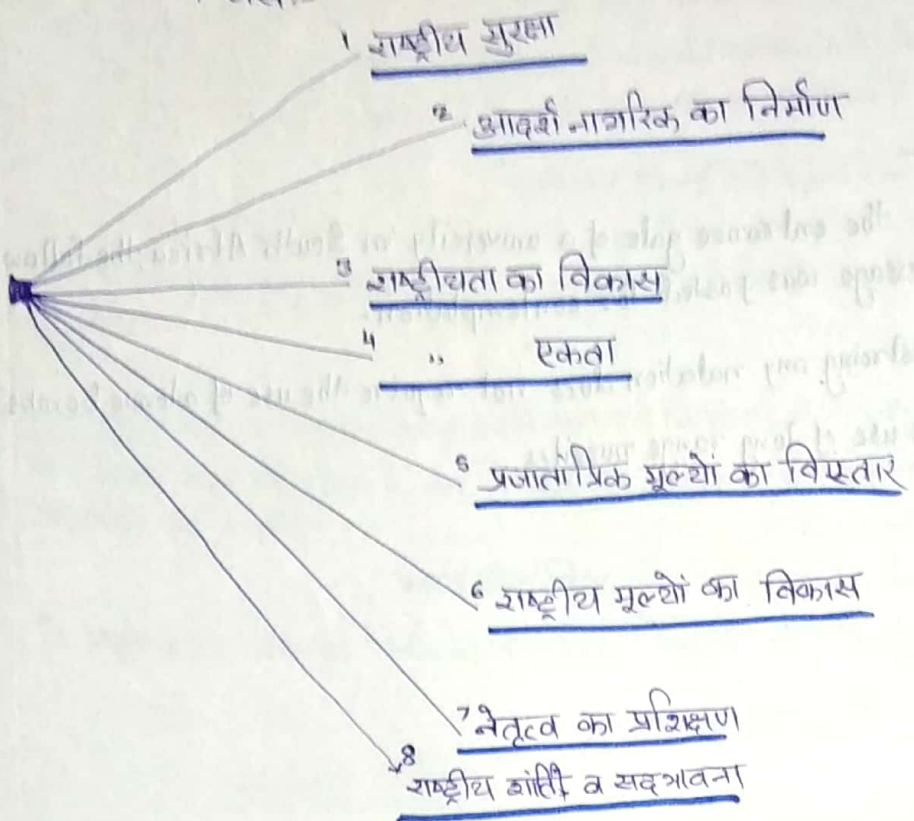
5. आर्थिक विविधता - हमारे देश में अनेक प्रकार की विविधताएँ पायी जाती हैं। वहीं आर्थिक विविधता भी स्पष्ट दिखती है। जो पाठ्यक्रम के निर्माण में निर्धारक का कार्य करती है, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित बिंदुओं को सम्मिलित करना आवश्यक है।



**Economical Diversity**



6. राष्ट्रीय महत्व - सभी राष्ट्र वहीं शिक्षा के माध्यम से अपने नागरिकों का विकास, उनके सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कल्याण में सुधार करना चाहते हैं, वहीं प्रत्येक देश कि अपनी कुछ आकांक्षाओं एवं लक्ष्य होते हैं, जो सबसे महत्वपूर्ण होते हैं, जिनकी प्राप्ति सबसे महत्वपूर्ण है। जैसे:-



7. International Context (अंतराष्ट्रीय परिपेक्ष):- पाठ्यक्रम के निर्माण में अंतराष्ट्रीय स्थिति राष्ट्रीय पहचान, विदेशों में रोजगार कि संभावना, व्यापार कि संभावना आदि को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम में उचित स्थान देना आवश्यक है। जैसे

- (i) अंतराष्ट्रीय स्तर कि शिक्षा
- (ii) अंतराष्ट्रीय स्तर कि तकनीक का विकास
- (iii) रोजगार एवं व्यापार कि संभावना
- (iv) अंतराष्ट्रीय समन्वय

→ Conclusion/ निष्कर्ष:- उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि पाठ्यक्रम निर्माण के निर्धारक के रूप में पाठ्यक्रम अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो शिक्षा के लक्ष्यों कि प्राप्ति में मुख्य योगदान देते हैं। पाठ्यक्रम एक प्रकार का ऐसा यंत्र है जिसके द्वारा देश कि नागरिकों का निर्माण आर्थिक, सामाजिक इत्यादी का स्वरूप विकसित होता है।

Abad

At the entrance gate of a university in South Africa, the following message was posted for contemplation-

"Destroying any nation does not require the use of atomic bombs or the use of long range missiles..."

भारत को नष्ट करने के लिए

परमाणु बमों की आवश्यकता नहीं है

लंबी दूरी के मिसाइलों की आवश्यकता नहीं है

International Center for Strategic Studies (ICSS)

(i) भारत की परमाणु क्षमता

(ii) भारत की परमाणु क्षमता

(iii) भारत की परमाणु क्षमता